20 सैनिकों की मौत हो गई अफगानिस्तान के पश्चिमी फराह प्रांत में तालिबान के एक हमले में। आतंकवादियों ने गुलिस्तान जिले में दो सैनिकों को भी पकड़ लिया। तालिबान के प्रवक्ता कारी युसूफ अहमदी ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

आखिरी सांस गिनते आइएस ने श्रीलंका को बनाया निशाना : सिरिसेन

कोलंबो, प्रेट्र : आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने दुनियाभर में हुई हार के बाद अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए ईस्टर के दिन श्रीलंका को निशाना बनाया। श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन ने सोमवार को यह बात कही। उन्होंने ऐसे समय यह बयान दिया है, जबकि कुछ खबरों में दावा किया गया है कि 2017 में सीरिया में इस हमले की नींव रखी गई थी। 21 अप्रैल को चर्चों और होटलों पर हुए भीषण आत्मघाती हमलों में 257 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। मृतकों में 11 भारतीय भी थे।

आइएस द्वारा हमले की जिम्मेदारी लेने के सवाल पर सिरिसेन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं सदमे में हूं। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि उन्होंने श्रीलंका को हमले के लिए क्यों चुना? मुझे लगता है कि आतंकी संगठन दुनिया के शक्तिशाली देशों से लड़ने की ताकत खो चुका है। इसलिए उसने अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए ऐसे देश को चुना, जिसने हाल ही में अपने यहां शांति स्थापित की है।'

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, इस्लामिक स्टेट ने शक्तिशाली देशों के सामने हुई हार का लिया बदला

श्रीलंका में हुए हमले की जिम्मेदारी आइएस ने ली है। हालांकि जांच एजेंसियों का कहना है कि स्थानीय इस्लामिक आतंक संगठन नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) ने हमले को अंजाम दिया था।

इसमें शामिल रहे सभी नौ आत्मघाती हमलावर भी स्थानीय थे। श्रीलंका ने एनटीजे पर प्रतिबंध लगा दिया है और अब तक इस मामले में 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीरिया में हार का बदला : आइएस सरगना अबु बकर अल-बगदादी ने हाल में एक वीडियो में दावा किया था कि श्रीलंका में हुआ हमला सीरिया में आइएस के आखिरी गढ़ के ढहने का बदला है। इस गढ़ पर अमेरिका की अगुआई वाले कुर्द लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है।

एनटीजे के साथ मिलकर किया हमला: श्रीलंकाई समाचार वेबसाइट श्रीलंका मिरर की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आतंकियों के एक समूह ने 2017 में एनटीजे से श्रीलंका में भीषण हमले को अंजाम देने के लिए हाथ मिलाया था। इस समूह ने सीरिया में आकर आइएस आतंकियों से ट्रेनिंग भी ली थी।

इस्तीफा नहीं देंगे सिरिसेन : राष्ट्रपति सिरिसेन ने स्पष्ट किया है कि हमलों के कारण बने दबाव में वह इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा, 'किसी भी देश का राष्ट्राध्यक्ष ऐसे हमले के बाद पद नहीं छोड़ता। इस समय मेरा कर्तव्य है कि इस चुनौती का सामना करने के लिए जरूरी कदम उठाऊं।' प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे से तनाव की बात पूछे जाने पर उन्होंने इससे भी इन्कार किया। उन्होंने कहा ऐसी बात नहीं है।

कड़ी सुरक्षा के बीच खुले स्कूल

हमले के दो हफ्ते बाद सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच स्कूल फिर खोले गए। हालांकि छात्रों की उपस्थिति बहुत कम रही। अभी छठे ग्रेड से ऊपर की कक्षाएं शुरू की गई हैं। इससे नीचे के ग्रेड की कक्षाएं 13 मई से शुरू होंगी। इस बीच, पुलिस ने लोगों से अपने पास रखे बड़े चाकू और तलवार जैसे नुकीले हथियार जमा कराने को कहा है। पहले हथियार जमा कराने के लिए सोमवार तक का वक्त दिया गया था, लेकिन बाद में इसे 48 घंटे और बढ़ा दिया गया है।

संभलकर कार्रवाई करें सुरक्षाबल

श्रीलंका के शहरी योजना मंत्री रऊफ हकीम ने सुरक्षाबलों से कार्रवाई में सतर्कता बरतने को कहा है। उनका कहना है कि मुस्लिम समुदाय जांच में पूरी तरह सहयोग कर रहा है। कुछ मामले सामने आए हैं, जहां जांच के दौरान समुदाय विशेष को निशाना बनाने की कोशिश हुई है। किसी को केवल इसलिए प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए कि उसके पास इस्लामिक साहित्य रखा है। सुरक्षाबलों को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे सामान्य मुस्लिम में भी कट्टरता का भाव पनपे।

ब्रिटेन के शाही परिवार में आया नन्हा मेहमान

विंडसर, रायटर : ब्रिटेन के शाही परिवार में एक नन्हा मेहमान आया है। प्रिंस हैरी की पत्नी और डचेज ऑफ ससेक्स मेघन मर्केल ने सोमवार को बेटे को जन्म दिया। प्रिंस हैरी ने इसकी घोषणा की। यह बच्चा ब्रिटेन की राजगद्दी का क्रमानुसार सातवां उत्तराधिकारी है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में शाही दंपती ने कहा, 'बच्चे का जन्म छह मई की सुबह हुआ है। उसका वजन 3.2 किलो ग्राम है। फिलहाल बच्चा व मां दोनों ही स्वस्थ और कुशल हैं।' इस खुशी के मौके पर जनता के लगातार सहयोग के लिए भी दोनों ने तहे दिल से धन्यवाद दिया। बता दें कि ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के पोते प्रिंस हैरी (34) और पूर्व अमेरिकी अभिनेत्री मेघन ने पिछले साल शादी की थी। उसके बाद दोनों को ड्यूक व डचेज ऑफ ससेक्स का टाइटल दिया गया था। बच्चे को तब तक प्रिंस नहीं कहा जा सकता है जब तक महारानी खुद इस टाइटल से नहीं नवाजतीं।

न्यूज गैलरी

मरणोपरांत भारतवंशी पत्रकार को वीके कृष्ण मेनन पुरस्कार

लंदन : दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और ब्रिटेन में अंतिम सांस लेने वाले भारतवंशी पत्रकार जीडी रॉबर्ट गोवेंदर को यहां 2019 के वीके कृष्ण मेनन पुरस्कार से नवाजा गया है। बीते शुक्रवार को भारतीय नेता और ब्रिटेन में भारत के प्रथम राजदूत वीके कृष्ण मेनन की 123वीं जयंती पर गोवेंदर को यह अवार्ड मरणोपरांत मिला। गोवेंदर अपने 60 वर्ष के कार्यकाल में कैंपेनिंग जर्नलिस्ट के रूप में मशहूर थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की स्पोर्ट्स टीम में सिर्फ गोरे खिलाड़ियों को चुनने को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान छेड़ दिया था। (प्रेट्र)

दोस्त को बचाने में गिरने से डीजे स्काई की मौत

डेनपसार : ऑस्ट्रेलिया के मशहूर डीजे कलाकार एडम स्काई एक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गए, जिससे उनकी मौत हो गई। इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर छुट्टियां मनाने आए 42 वर्षीय स्काई की छत से फिसलने से गिरकर मौत हो गई। शनिवार को होटल पर एक दोस्त को बचाने के क्रम में स्काई खुद फिसल गए। घटना को स्काई के फेसबुक एकाउंट के जरिये बताया गया। (रायटर)

कोर्टिजो ने जीता पनामा के राष्ट्रपति का चुनाव

पनामा सिटी : पनामा के नए राष्ट्रपति लिए रविवार को संपन्न हुए चुनाव में पूर्व मंत्री लौरेंशियो कोर्टिजो ने बाजी मार ली है। कोर्टिजो ने कड़े मुकाबले में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी और पूर्व विदेश मंत्री रोमुलो रॉक्स को पराजित कर दिया है। चुनाव में भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दे को रूप में छाया रहा। नतीजे की घोषणा इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल द्वारा की जाएगी। (एएफपी)

पश्चिम एशिया में युद्धपोत और बमवर्षक विमान तैनात कर रहा है अमेरिका

चेतावनी ▶ अमेरिकी एनएसए ने ईरान से कहा, हमला किया तो भारी बल प्रयोग करेंगे

ट्रंप ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के साथ ही उस पर कई प्रतिबंध लगाए हुए हैं

वाशिंगटन, प्रेट्र/रायटर : एक साल पहले परमाणु करार टूटने के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका अब पश्चिम एशिया में विमानवाहक युद्धपोत और बमवर्षक विमान तैनात कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने ईरान को चेतावनी भी दी कि अगर अमेरिकी हितों या उसके सहयोगी देशों के खिलाफ कोई हमला हुआ तो उसे भारी बल प्रयोग का सामना करना पड़ेगा।

बोल्टन ने रविवार को कहा, 'ईरान को कई बार चेतावनी देने के बाद हमने विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और बमवर्षक टॉस्क फोर्स को पश्चिम एशिया में तैनात करने का निर्णय लिया है। अमेरिका ईरानी शासन के साथ कोई युद्ध नहीं करना चाहता, लेकिन हम ईरानी बलों के किसी भी तरह के हमले या छद्म युद्ध का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

ट्रंप ने ईरान पर थोपे हैं कई प्रतिबंध : ट्रंप ने पिछले साल आठ मई को ईरान के साथ 2015 में हुए परमाणु समझौते से अमेरिका के हटने का एलान किया था। इसके बाद उसके तेल निर्यात को रोकने के साथ ही उस पर कई प्रतिबंध लगा दिए। ट्रंप ने ईरान पर यह कार्रवाई उसके परमाणु कार्यक्रम और आतंकी गतिविधियों को लेकर की थी।

अमेरिका का विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन। (फाइल फोटो)

दक्षिण चीन सागर से गुजरे दो अमेरिकी युद्धपोत, चीन नाराज

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका और चीन में चल रही कारोबारी जंग के बीच दो अमेरिकी युद्धपोत विवादित दक्षिण चीन सागर से गुजरे। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के प्रवक्ता ने सोमवार को यहां कहा, 'मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत प्रीबल और चुंग हून दक्षिण चीन सागर में स्पार्टली द्वीप समूह से करीब 12 नॉटिकल मील दूर से गुजरे। यह सामान्य आवाजाही है। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत यह क्षेत्र अन्य देशों की आवाजाही के लिए खुला है। इस पर किसी देश की दखलंदाजी का अमेरिका विरोध करता है।' अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के एकाधिकार जमाने की कोशिश का विरोध करता रहा है। चीन ने अमेरिका की इस गतिविधि पर नाराजगी जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने इसे चीन की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। शुआंग ने कहा, 'चीन, अमेरिका से ऐसी गतिविधियों से गुरेज आने की गुजारिश करता है।

ईरानी सैन्य बल को घोषित किया आतंकी संगठन : अमेरिका ने पिछले महीने ईरान के विशिष्ट बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया था। इसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिकी सेना को इसी तरह का दर्जा दिया था। इसके बाद दोनों देशों में तनाव और ज्यादा बढ़ गया था। मौजूदा हालात से हालात और बिगड़ने की संभावना है।

अमेरिका और तालिबान ने रमजान के पहले दिन स्थगित रखी वार्ता

दोहा, एएफपी : पवित्र माह रमजान के पहले दिन अमेरिका और आतंकी संगठन तालिबान के प्रतिनिधियों के बीच यहां हो रही वार्ता स्थगित रही। कतर की राजधानी में दोनों पक्षों में यह वार्ता अफगानिस्तान में 18 साल से चल रहे संघर्ष को खत्म कराने के लिए हो रही है। लेकिन छह दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। रमजान के पहले रोजे के दिन वार्ता स्थगित रखने की जानकारी देते हुए तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा, 'मंगलवार से वार्ता दोबारा शुरू हो जाएगी। अमेरिका, अफगानिस्तान से अपनी सेना हटाने का समय निश्चित नहीं कर पा रहा है। इसी वजह से वार्ता बाधित हो रही है।' दरअसल, अमेरिका तालिबान पर युद्धविराम के साथ अफगान सरकार और अन्य प्रतिनिधियों से बातचीत का दबाव बना रहा है। जबकि तालिबान का कहना है कि अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान से हटने का समय निर्धारित होने से पहले वह किसी और शर्त को नहीं मानेगा। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान से रमजान के दौरान युद्धविराम की अपील की थी, जिसे आतंकी संगठन ने खारिज कर दिया था।

बोइंग ने छिपाई थी 737 मैक्स विमानों की खामी

द न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन : हाल में हुए हादसों को लेकर विवादों में घिरी बोइंग पर एक और सवाल खड़ा हो गया है। विमान बनाने वाली इस अमेरिकी कंपनी ने अपने 737 मैक्स विमान के सेफ्टी अलर्ट सिस्टम के काम नहीं करने की जानकारी एयरलाइनों को नहीं दी थी। कंपनी ने रविवार को खुद इस बात को उजागर किया।

वर्ष 2017 में जब बोइंग ने 737 मैक्स विमानों की आपूर्ति शुरू की थी तब उसने सेफ्टी अलर्ट सिस्टम को इसका प्रमुख फीचर बताया था। कॉकपिट में लगा यह फीचर किसी सेंसर के काम नहीं करने पर पायलट को चेताने के लिए डिजाइन किया गया था। बोइंग के इंजीनियरों को कुछ महीने में ही मालूम हो गया था कि यह सेफ्टी अलर्ट तभी काम करता है जब एयरलाइंस अलग से इंटीकेटर खरीदती हो। लेकिन केवल 20 फीसद उपभोक्ताओं ने ही इंडीकेटर खरीदा था इसलिए ज्यादातर मैक्स विमानों में सेफ्टी अलर्ट काम नहीं कर रहा था। मार्च में दुर्घटनाग्रस्त हुए इथोपिया एयरलाइंस के विमान और पिछले साल अक्टूबर में इंडोनेशिया में दुघर्टनाग्रस्त हुए विमान में भी यह अलर्ट काम नहीं कर रहा था। इन दोनों हादसों में उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। इन हादसों में 346 लोगों की जान गई थी।

बोइंग का कहना है कि उसने अलर्ट सिस्टम के काम नहीं करने को लेकर आंतरिक समीक्षा की थी। उसमें पाया गया कि इससे विमान की सुरक्षा पर कोई खतरा नहीं होगा। इसी कारण विमानन कंपनियों और अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) को करीब एक साल तक इसकी सूचना नहीं दी गई। इंडोनेशिया में हुए हादसे के बाद बोइंग ने एफएए को सेफ्टी अलर्ट के काम नहीं करने की जानकारी दी थी और भरोसा भी दिलाया था कि इससे विमान की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता। एफएए के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की और कहा, 'हम मानते हैं कि विमानन कंपनियों को तुरंत ही इसकी सूचना देनी चाहिए थी।' अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अलर्ट सिस्टम से हाल में हुए हादसों को रोका जा सकता था या नहीं।

नदी में गिरे विमान के कुछ फीचर नहीं कर रहे थे काम

मियामी, एएफपी : अमेरिका के फ्लोरिडा में गत शनिवार को रनवे से फिसलकर नदी में गिरे बोइंग 737 विमान का थ्रस्ट रिवर्सर टूटा हुआ था। इसी की मदद से लैंडिंग के वक्त विमान की गति धीमी हो पाती है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के ब्रूस लैंड्सबर्ग ने कहा, 'बीते कुछ समय से विमान की मरम्मत की जा रही थी। उसका बायां थ्रस्ट रिवर्सर काम नहीं कर रहा था। आगे की जांच में पता लगाया जाएगा कि विमान में किन-किन चीजों की मरम्मत की गई थी।'

हब्बल टेलीस्कोप लांच के दावे पर उड़ा पाकिस्तानी मंत्री का मजाक

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी अपने बचकाने दावे के चलते हंसी का पात्र बन गए हैं। उन्होंने जियो न्यूज के एक टॉक शो में दावा किया कि दुनिया के सबसे बड़े टेलीस्कोप हब्बल को पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी सुपार्को (स्पेस एंड अपर एटमॉस्फियर रिसर्च कमीशन) ने लॉन्च किया था। उनके इस दावे के बाद से ही ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया साइट पर उनका जमकर मजाक उड़ाया जा रहा है।

टॉक शो में मंत्री फवाद चौधरी ने हब्बल टेलीस्कोप के अलावा कई और सेटेलाइट लांचिंग व टेक्नोलॉजी का श्रेय भी पाकिस्तान को दिया। उनका दावा सामने आते ही सोशल मीडिया पर मजाक उड़ना शुरू हो गया। एक यूजर ने ट्वीट किया, 'हो सकता है कि अब नासा प्रमुख भी इस्तीफा देकर फवाद चौधरी के मंत्रालय में सुपार्को के प्रमुख के रूप में जुड़ जाएं।' एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, 'आपने तो सच में सबको पीछे छोड़ दिया। आपके नेतृत्व में कुछ ही दिन में हमें पता चल गया कि हब्बल टेलीस्कोप सुपार्को ने भेजा था। बहुत शानदार। अब पुरस्कार के रूप में प्रधानमंत्री इमरान खान को चाहिए कि ऐसे खोजकर्ता को अंतरिक्ष में भेज दें।' ध्यान देने की बात है कि पिछले साल नवंबर में जब फवाद चौधरी सूचना मंत्री थे, तब उन्होंने कहा था, 'कुछ नेता हैं जो यहां विवाद पैदा करते रहते हैं। उन्हें अंतरिक्ष में भेज दिया जाना चाहिए। मैं सुपार्को से कहूंगा कि यह भी सुनिश्चित करे कि इन लोगों की अंतरिक्ष से वापसी ना हो।'

विज्ञान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, पाकिस्तान ने भेजा था हब्बल

क्या है हब्बल टेलीस्कोप

हब्बल अंतरिक्ष में स्थापित ऑब्जर्वेटरी है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस टेलीस्कोप को 1990 में धरती की निचली कक्षा में प्रक्षेपित किया था। अंतरिक्षविद् एडविन हब्बल के नाम पर इसका नामकरण किया गया था। इसे नासा की सर्वश्रेष्ठ ऑब्जर्वेटरी में शुमार किया जाता है।

हब्बल ने खींची एक और गैलेक्सी की तस्वीर

वाशिंगटन, प्रेट्र : हब्बल टेलीस्कोप ने करीब तीन करोड़ प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक गैलेक्सी की तस्वीर खींची है। यह स्पाइरल (घुमावदार) गैलेक्सी लियो तारासमूह (कॉन्स्टेलेशन) में स्थित है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने यह जानकारी दी। स्पाइरल गैलेक्सी में चमकदार तारे, चमकती गैसों का चक्र और आकाशीय धूल के कण होते हैं। इन सबके मिलने से अंतरिक्ष में बेहद खूबसूरत नजारा बनता है। नासा ने बताया कि जिस गैलेक्सी की तस्वीर ली गई है, उसका नाम एनजीसी 2903 है। इस गैलेक्सी का अध्ययन हब्बल के उस अभियान का हिस्सा है, जिसमें 145 नजदीकी डिस्क (गोल) गैलेक्सी का अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की गैलेक्सी के छोर पर ब्लैक होल होते हैं और तारों के अंडाकार समूह, गैस व धूल से इनका केंद्र बनता है। वैज्ञानिकों को ब्लैक होल और गैलेक्सी के अन्य घटकों के बीच संबंध समझने में मदद मिलेगी।

बिजली गिरने से लगी थी रूसी विमान में आग, 41 लोगों की गई जान

मास्को, एएफपी : बिजली गिरने से रूसी यात्री विमान में आग लगी थी। पायलट ने कहा कि बिजली गिरने के बाद ही विमान की आपात लैंडिंग करानी पड़ी। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई। विमान में 78 यात्री थे जिनमें से कुछ आपातकालीन द्वार से निकलकर जान बचाने में कामयाब रहे। जांचकर्ता सुखोई सुपरजेट-100 में आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं। रविवार शाम टेक-ऑफ के कुछ ही समय बाद यह विमान शेरेमेत्येवो हवाई अड्डा लौट आया था। बचाव कर्मियों ने मृतकों का शव निकालने के साथ ही विमान में लगा डाटा और वॉइस रिकॉर्डर भी बरामद कर लिया है।

पायलट डेनिस येव्दोकिमोव ने रूसी मीडिया को बताया कि विमान का संपर्क टूट गया था और इमरजेंसी कंट्रोल मोड को ऑन करना पड़ा। आकर्टिक शहर मुर्मान्स्क जा रहे एयरोफ्लोट पर बिजली गिरी थी। हालांकि वह यह नहीं बता पाए कि बिजली सीधे विमान पर गिरी थी या नहीं। पायलट ने कोमसोमोलस्कया प्राव्दा अखबार को बताया, 'हमने अपने रेडियो संपर्क पर आपात फ्रीक्वेंसी के माध्यम से संवाद बहाल करने की कोशिश की। लेकिन लिंक केवल कुछ ही समय के लिए था और संपर्क टूट गया। केवल कुछ शब्द ही कह पाए।' उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि ईंधन से भरे टैंक के कारण लैंडिंग के समय विमान में आग लगी होगी।

रूस में रविवार को विमान सुखोई सुपरजेट-100 में लगी भीषण आग। एपी

घायलों में तीन की हालत गंभीर : मरने वाले 41 लोगों में कम से कम दो बच्चे भी शामिल हैं। अस्पताल में भर्ती नौ घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है और जांचकर्ताओं को सौंपा जा चुका है।

लांच के बाद से ही समस्याओं में घिरा है सुपरजेट : सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस ने सुखोई यात्री विमान बनाना शुरू किया था। वर्ष 2011 में लांच होने के बाद से सुखोई सुपरजेट-100 समस्याओं में घिरा है। इस विमान की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। वर्ष 2012 में इंडोनेशियाई एयर शो में प्रदर्शन के समय सुपरजेट ज्वालामुखी में समा गया था। उसमें सवार सभी 45 लोग मारे गए थे। इंडोनेशिया ने पायलट की चूक मानी थी।

सेवा से नहीं हटेंगे सुखोई विमान : सुखोई सुपरजेट-100 विमान को सेवा से हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है जिसपर चार हजार लोगों ने हस्ताक्षर किया है। हालांकि, रूस के परिवहन मंत्री येवगेनी डियेट्रिक ने ऐसा कोई भी कदम उठाए जाने से इन्कार किया है। तकनीकी खामी के चलते 2016 में इस विमान को सेवा से हटा दिया गया था।

उत्तर कोरिया के नए मिसाइल परीक्षण को ट्रंप ने नहीं दी तवज्जो

टोक्यो, एपी : उत्तर कोरिया ने बीते शनिवार को कम दूरी की नई बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इस परीक्षण को देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की निगरानी में अंजाम दिया गया था। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देशों जापान और दक्षिण कोरिया ने जहां इस पर चिंता जताई। लेकिन इस मिसाइल परीक्षण को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने ट्वीट कर उम्मीद जताई कि किम अमेरिका से किया वादा नहीं तोड़ेगें। उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ नहीं होने जा रहा, आज का दिन भी इंज्वाय करें।' दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक शनिवार को उत्तर कोरिया की तरफ से प्रशांत महासागर में 70 से 240 किलोमीटर रेंज की कई मिसाइलें दागी गईं। बिना किसी पूर्व सूचना के किए गए इस मिसाइल परीक्षण पर पड़ोसी मुल्कों की सेना अलर्ट पर आ गईं। खतरे को भांपते हुए जापान ने तो अपनी वायुसेना को जवाब देने तक के लिए कह दिया था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाने को लेकर उत्तर कोरिया दवाब बनाने की कोशिश में है। पिछले माह किम ने कहा था कि इस साल तक अमेरिकी रुख में परिवर्तन नहीं होने पर वह कुछ भी कर सकते हैं।

टला युद्ध

मिस्र ने दोनों देशों के बीच की मध्यस्थता, वर्ष 2008 के बाद चौथे युद्ध का खतरा टला, पिछले दो दिनों में 27 मौतें हो चुकी हैं

फलस्तीन और इजरायल में हुआ संघर्ष विराम

गाजा सिटी, एएफपी/रायटर : गाजा क्षेत्र में रॉकेट हमलों और बमबारी के चलते फलस्तीन और इजरायल के बीच एक और युद्ध होने का खतरा सोमवार को टल गया। फलस्तीनी नेताओं ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। पिछले दो दिनों के दौरान गाजा में दोनों पक्षों में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। इससे चौथे युद्ध की आशंका जताई जा रही थी। गाजा में इजरायल और फलस्तीनी आतंकियों के बीच 2008 से तीन लड़ाई हो चुकी हैं।

दो फलस्तीनी अधिकारियों और गाजा पर नियंत्रण रखने वाले आतंकी संगठन हमास से जुड़े एक टीवी स्टेशन ने कहा कि संघर्ष विराम समझौता सोमवार तड़के साढ़े चार बजे किया गया। यह समझौता मिस्र की मध्यस्तता से हुआ। इस समझौते पर इजरायल की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है, लेकिन समझौता प्रभावी होने के बाद से ही इजरायल की ओर से कोई हमला नहीं किया गया। इजरायल ने गाजा सीमा से सटे इलाकों में लोगों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध भी सोमवार सुबह हटा लिया। मिस्र के एक अधिकारी ने संघर्ष विराम समझौते की पुष्टि करते हुए कहा कि इजरायल और हमास के बीच हिंसा से गाजा में 2014 के बाद सबसे खराब हालात हो गए थे।

इजराइल की ओर से रविवार को गाजी पट्टी में जवाबी एयरस्ट्राइक की गई थी। हमले के बाद स्थित इमारतों से निकलती आग की लपटें। एएफपी

शनिवार से बिगड़े थे हालात : गाजा में शनिवार से हालात बिगड़ गए थे। इजरायल ने दावा किया था कि हमास ने शनिवार से 690 रॉकेट और मोर्टार दागे। इनमें से 240 को हवाई रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। 35 रॉकेट रिहायशी इलाकों में गिरे थे। इजरायल ने इसके जवाब में गाजा में हवाई हमलों में आतंकियों के करीब 350 ठिकानों को निशाना बनाया।

दो दिन में 27 की मौत : दो दिन चले इजरायल के हमलों में नौ आतंकियों समेत 23 फलस्तीनी नागरिक मारे गए। जबकि हमास के हमलों में चार इजरायली नागरिकों की मौत हुई।

ट्रंप ने फलस्तीन को चेताया इजराइल का समर्थन किया

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका गाजा में आतंकी समूहों द्वारा रॉकेट हमले के खिलाफ इजराइल के प्रतिरक्षा कदमों का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने फलस्तीन को आगाह करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से उन्हें बर्बादी के अलावा और कुछ नहीं मिलने वाला। ट्रंप ने रविवार को कहा कि एक बार फिर इजराइल आतंकी समूह हमास और इस्लामी जेहाद के कातिलाना रॉकेट हमले का सामना कर रहा है। हम अपने नागरिकों की रक्षा के लिए इजराइल की प्रतिरक्षा कार्रवाई का सौ फीसदी समर्थन करते हैं।

ब्रुनेई के सुल्तान ने समलैंगिकों को मृत्युदंड के कानून पर लगाई रोक

कुआलालंपुर, एपी : दक्षिण-पूर्वी एशिया के छोटे से देश ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलाकी ने नए शरई आपराधिक कानून के तहत समलैंगिकों को मृत्युदंड देने के प्रावधान पर रोक लगा दी है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अमेरिका सहित कई देशों ने ब्रुनेई के इस अमानवीय कानून की कड़ी आलोचना की थी। सुल्तान ने रविवार को उस प्रावधान पर रोक लगाने की घोषणा की, जिसमें समलैंगिकों को पत्थर मार-मार कर मौत की सजा देने की बात कही गई थी।

ब्रुनेई में लागू किए गए नए कानून में व्यभिचार में पकड़े जाने पर पत्थर मारने और कोड़े से पिटाई का प्रावधान जोड़ा गया है। चोरी करने वालों के हाथ-पैर काट देने का प्रावधान किया गया है। नए कानून के दायरे में ब्रुनेई में रहने वाले विदेशी नागरिकों को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रमंडल की महासचिव पैट्रिशिया स्कॉटलैंड ने सुल्तान के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ब्रुनेई के सुल्तान को अमानवीय सजा के अन्य प्रावधानों को भी हटा देना चाहिए।

सशस्त्र क्रांति से नहीं बदली जा सकती कोई व्यवस्था : प्रचंड

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा कि सशस्त्र क्रांति किसी व्यवस्था को बदल नहीं सकती। यह अनुभव होने के बाद ही माओवादियों ने नेपाल में हथियार छोड़कर शांति और लोकतंत्र का रास्ता अपनाया। प्रचंड का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक समय वह खुद राजशाही के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के बड़े समर्थक थे। वह हथियारों के बल पर देश में राजशाही खत्म कर गणतंत्र स्थापित करने के पक्षधर थे।

प्रचंड के इस बयान से मार्क्सवाद के नेपाल में हुए नए प्रयोग पर बहस छिड़ने की संभावना है। कार्ल मार्क्स की 201 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रचंड ने कहा कि दुनिया में कई सैन्य क्रांति विफल रही हैं। सशस्त्र क्रांति से किसी तरह की व्यवस्था नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा, पूंजीवाद के विकास से समाजवाद नहीं लाया जा सकता।...और न ही यह राजशाही को खत्म किए बगैर संभव है। सामाजिक विकास के लिए हमें राष्ट्रीय पूंजी बढ़ानी होती है और वैचारिक आंदोलन खड़ा करना होता है। अगर हम समाजवादी विचारधारा स्थापित करने में कामयाब रहे तो देश में सामाजिक क्रांति होना तय है। प्रचंड ने कहा, मार्क्सवाद पर गंभीर बहस की जरूरत है। इसमें नेपाल में हुए प्रयोग को समझे जाने की जरूरत है। कार्यक्रम में नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झालानाथ खनल ने कहा कि मौजूदा समय में भी मार्क्सवाद का वैश्विक राजनीति में बड़ा महत्व है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा कि इसीलिए नेपाल में लोकतंत्र की राह पकड़ने का प्रयोग किया